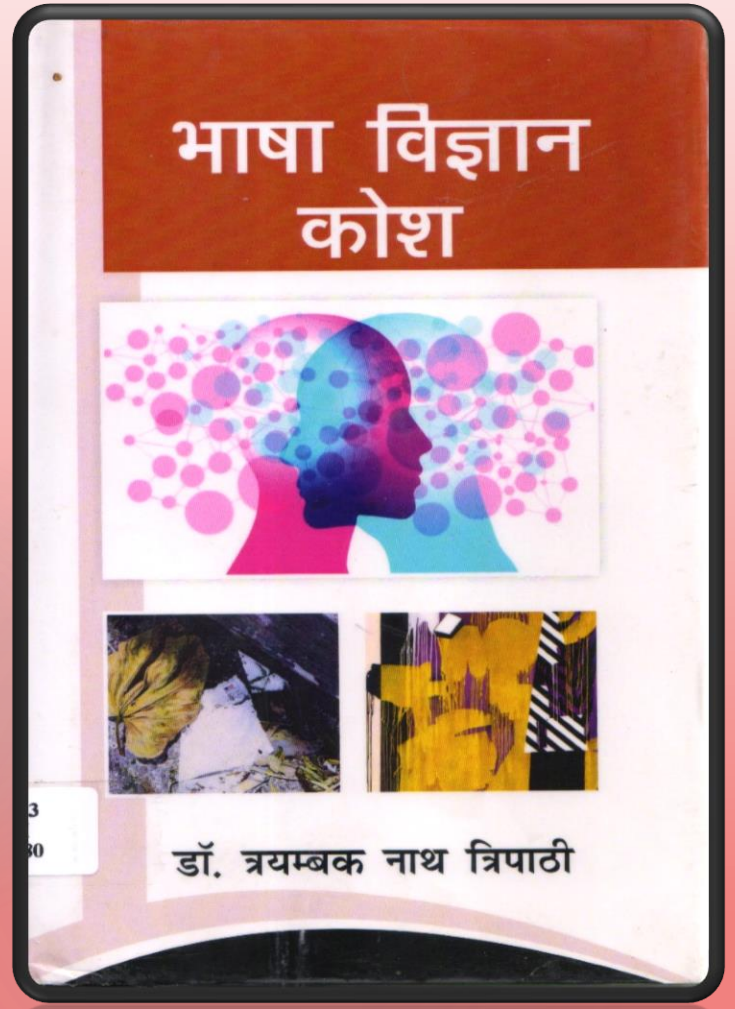

HB2880 - भाषा विज्ञान कोष

डॉ त्रयम्बक नाथ त्रिपाठी: त्रयम्बक नाथ का जन्म 1978 में उत्तर प्रदेश में हुआ था। वे अभी महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय दिल्ली में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

भाषा का विषय जितना मनोरम हैं, उतना ही गंभीर और कौतूहलजनक। इस पुस्तक में हिंदी भाषा की विशेषताओं की विवेचना की गयी हैं ।

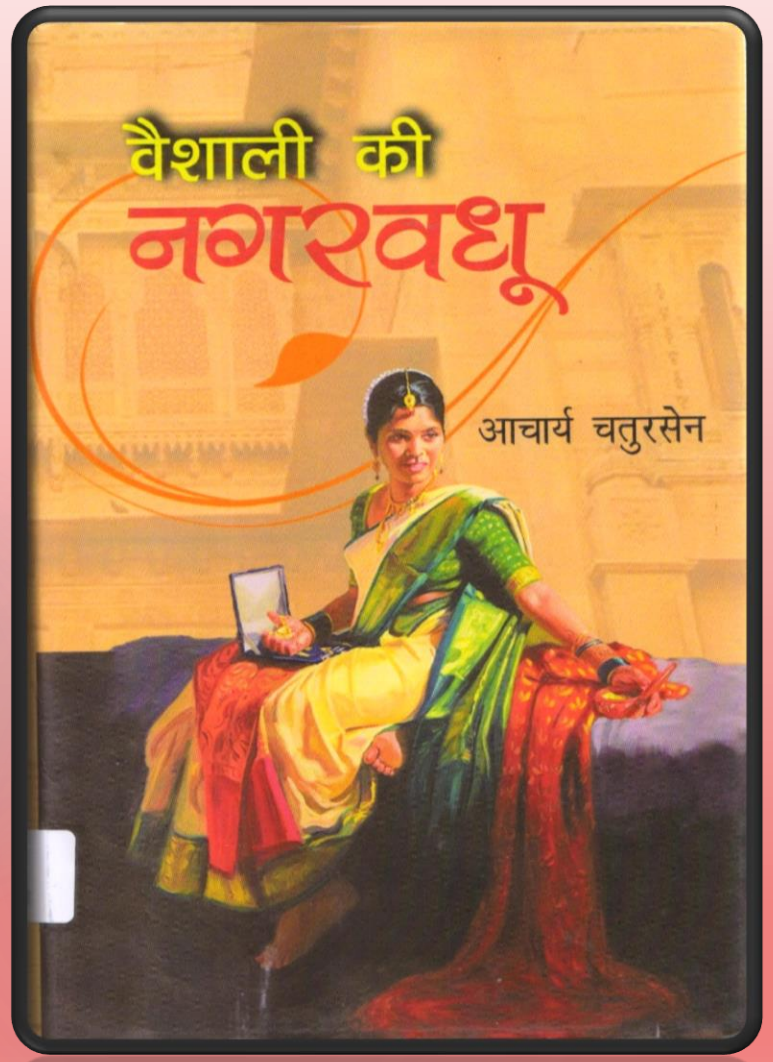

HB2891 - **वैशाली की नगरवधू**

आचार्य चतुरसेन : आचार्य चतुरसेन शास्त्री हिन्दी भाषा के एक महान उपन्यासकार, कहानीकार, नाटककार और लेखक थे। उनका अधिकतर लेखन ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है।

वैशाली की नगरवधू, चतुरसेन द्वारा रचित एक हिन्दी उपन्यास है जिसकी गणना हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ उपन्यासों में की जाती है। इसमें भारतीय जीवन का एक जीता-जागता चित्र अंकित हैं। इस उपन्यास का कथात्मक परिवेश ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक है। ।

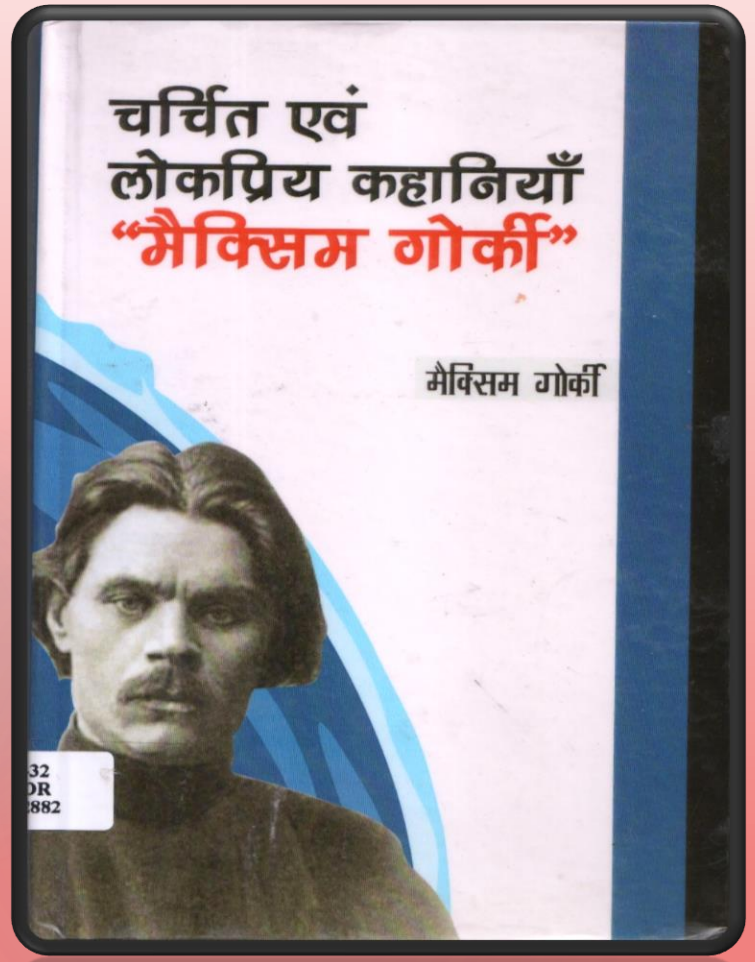

HB2882 - चर्चित एवं लोकप्रिय कहानियां "मैक्सिम गोर्की"

मैक्सिम गोर्की : मैक्सिम गोर्की को पूरी दुनिया में महँ लेखक और समाजवादी यथार्थवाद को प्रवर्तक के रूप में जाना जाता हैं।

रूस में जारशाही के दौरान 1907 में हुई असफल क्रान्ति से लेकर 1917 में हुई अक्टूबर समाजवादी क्रान्ति और उसके बाद के समाजवादी निर्माण तक के लम्बे दौर में उन्होंने अपनी कहानियां, नाटकों, लेखों और उपन्यासों के माध्यम से हर कदम पर जनता को अपनी परिस्थितियों के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा दी।

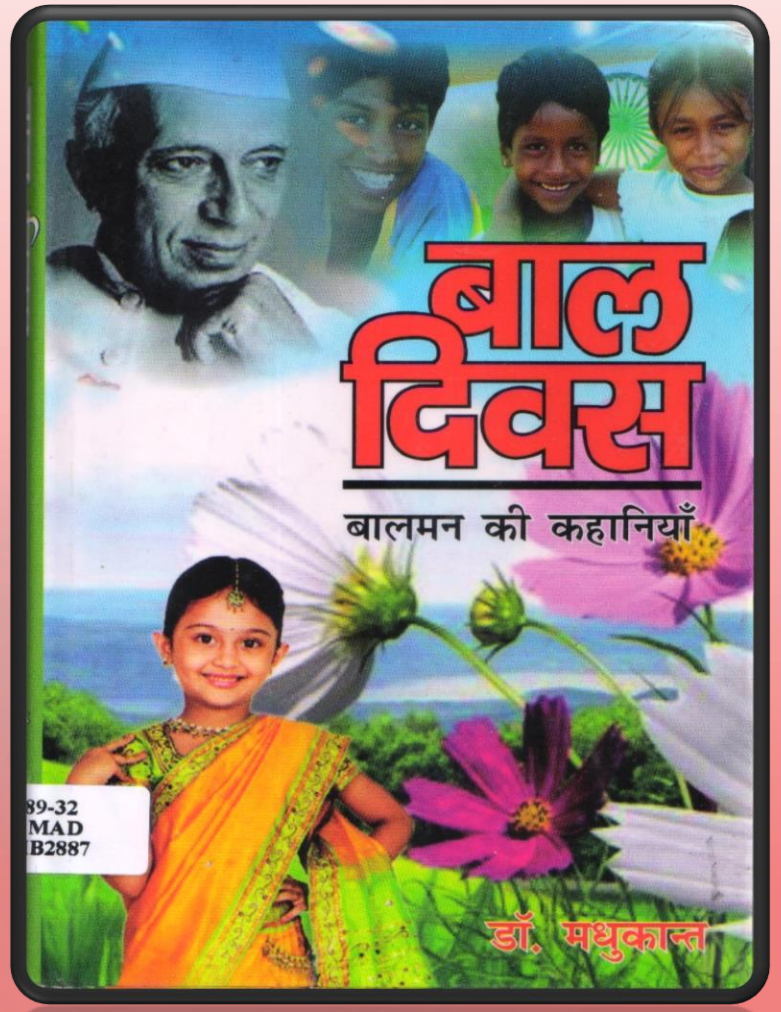

HB2887 – बाल दिवस : बालमन की कहानियाँ

डॉ. मधुकान्त का जन्म हरियाणा में 1949 में हुआ थे. ये एक बहु आयामी लेखक हैं। उन्होंने बहुत सारे उपन्यास, कहानी संकलन, नाटक-संग्रह, कविता-संग्रह एवं निबंध आदि लिखे हैं। उन्हें हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के बाबू बालमुकुद गुप्त सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

शिक्षा जगत की शैल्य चिकित्सा करने वाले डॉ. मधुकांत ने कहानी संग्रह बाल दिवस में बच्चो के मन की गांठों को कुरेदा है। इनकी कहानियां सरल और जीवन से जुड़ी हुई है। शिक्षक व् अभिभावक इन कहानियों को पढ़कर अपने बच्चों को समझें पहचानें और उन्हें विकास के मार्ग पर अग्रसर करें।

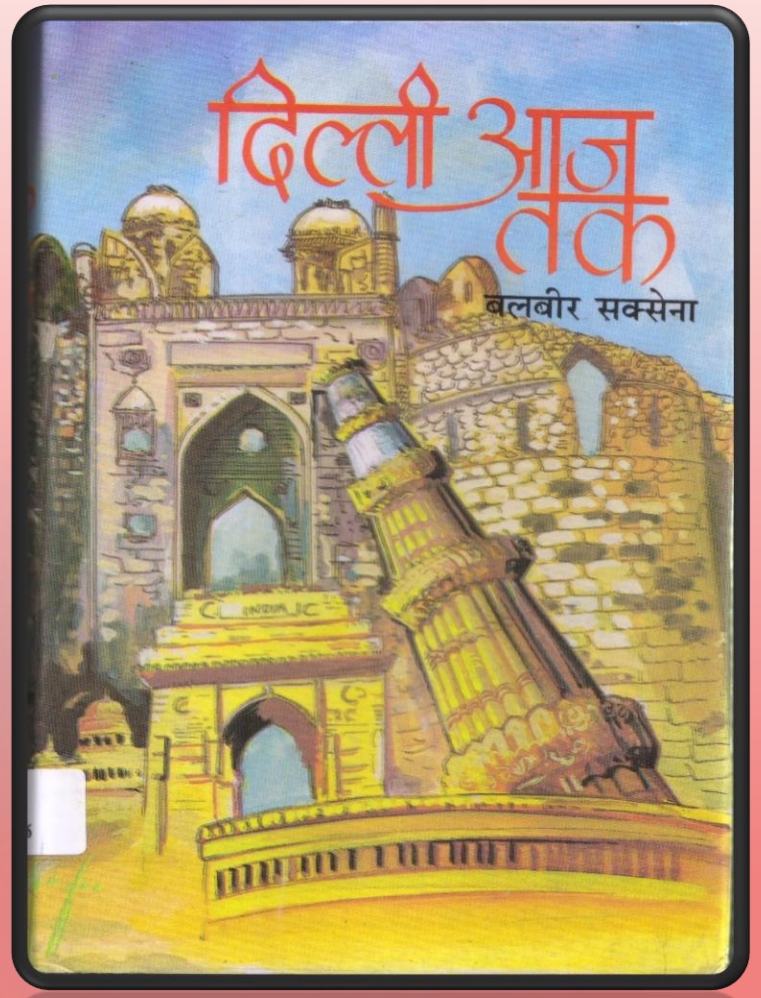

HB2886 - दिल्ली आज तक

बलबीर सक्सेना - दिल्ली आज तक में दिल्ली की यात्रा, इस शहर में आम बदलावों के उतार चढावों को पार कर के तय की गई है। पायलों की झुन- झुन और तलवारों की खनकार, सूफी संतों के सूफियाने तराने और नादिरशाह व् औरंगज़ेब के बेरहम व भयानक हुकुमनामे , सभी इसके चप्पे चप्पे से गूंजते हैं।

चंद्रबरदाई , अमीर खुसरो, रहीम, खान खाना, मेरे, ग़ालिब और ज़फर को रचनाओं ने दिल्ली को मुखरित किया है. पृथ्वीराज संयुक्त, रज़िया और मुग़लों का रोमांच नादिरशाह का कत्लेआम, क्रान्ति का संघर्ष आज़ादी आदि का उल्लेख भी इस पुस्तक में हुआ है।